तड़ित चालक और वज्रपात

[स्रोत: द हिंदू]

[जलवायु परिवर्तन] के कारण **तापमान** और **वायुमंडलीय नमी** में वृद्धि से **वैश्विक स्तर पर वज्रपात की** आवृत्ति और **तीव्रता बढ़ रही है** क्योंकि गर्म वायु और आर्द्र बादलों के संपर्क से **आवेश पृथक्करण** को बढ़ावा मिलता है।

- **वज्रपात:** यह एक **प्राकृतिक विद्युतीय घटना है** जो **तूफानों** के दौरान वायुमंडल में **स्थैतिक विद्युत आवेश** के संग्रहण के कारण होती है।
  - इसका निर्माण तब होता है जब **बादलों में जल की बूँदें बर्फ के क्रिस्टल के रूप में में जम जाने से** इनके बीच घर्षण होता है**,** जिससे एक स्थैतिक चार्ज उत्पन्न होने से अंततः वज्रपात होता है।
- **तड़ित चालक: यह सुचालक छड़** है जिसे विद्युत को आकर्षित करने तथा **उसके निर्वहन हेतु एक नियंत्रित पथ प्रदान करने के क्रम में किसी बिल्डिंग के सबसे ऊँचे बिंदु** पर स्थापित किया जाता है।
  - **विद्युत, सबसे अधिक विद्युत विभव** वाली वस्तु की ओर आकर्षित होती है।
  - **छड़** के आकार से एक **मज़बूत** [विद्युत क्षेत्र] बनता है जिससे **धारा के प्रवाह हेतु एक मार्ग** मिलता है। छड़ से विद्युत आवेश भूमि की ओर स्थानांतरित होता है, जिसके कारण विद्युत आवेश जमीन में जाकर निष्क्रिय हो जाता है।

और पढ़ें: [भारत में आकाशीय बिजली]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lightning-rods-and-lightning-strikes